Patrika Dated 5th Feb 2017

आईआईएम-रायपुर में एलुमनी मीट

पुरानी यादों को किया ताजा

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

रायपुर ● कोई गले मिल रहा था तो कोई दोस्त को लंबे वक्त से बात नहीं होने की शिकायत कर अपना गुस्सा जाहिर कर रहा था। लेकिन खुशी सबके चेहरे पर साफतौर से झलक रही थी। पुरानी बातों को याद कर एक-दूसरे की खिंचाई भी हो रही थी और ठिठोली भी। यह नजारा था शनिवार को भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) रायपुर में। यहां 4 फरपरी को एलुमनी मीट का आयोजन किया गया था।

इस चौथे आयोजन में शिरकत करने संस्थान से पासआउट छात्र पहुंचे। पहली चार बैचों से पीजीपी के पूर्व छात्र जो देश और विदेशों में काम कर रहे हैं बैच के साथ अपने अनुभवों को साझा करने के लिए मौजूद थे। इसके अलावा यह एग्जीक्यूटिव के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम के पूर्व छात्रों का पहला मिलन समारोह था। इस कार्यक्रम का उद्घाटन आईआईएम रायपुर के डायरेक्टर डॉ. बीएस सहाय ने किया।

इस दौरान पूर्व छात्र समिति के अध्यक्ष प्रो. सत्यसीबा दास और पीजीपी अध्यक्ष प्रो. पीआरएस शर्मा खासतौर से मौजूद रहे। उद्घाटन सत्र के बाद पीजीपी प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया। आईआईएम रायपुर के प्रोफेसर डॉ. समर सिंह ने इस अवसर पर एक मजबूत पूर्व छात्र नेटवर्क होने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इस कार्पोरेट जगत में कौशल और अनुभव हासिल करने के लिए विभिन्न बैचों और विभिन्न कार्यक्रमों में परस्पर संबंध बहुत आवश्यक है।

कहा, यह गर्व की बात

इस एलुमनी मीट में 35 से अधिक पूर्व छात्र उपस्थित थे, जो विभिन्न बैचों से थे। यहां शामिल हुए एलुमनी में कई देश के विभिन्न हिस्सों तो कुछ विदेशों से खासतौर पर इस कार्यक्रम के लिए पहुंचे थे। इस अवसर पर आईआईएम निदेशक डॉ. बीएस सहाय ने जीवन के सभी क्षेत्रों में आईआईएम रायपुर के पूर्व छात्रों की उपलब्धियों को रेखांकित किया और उनकी प्रशंसा की। उन्होंने महसूस किया कि यह बात आईआईएम रायपुर के लिए बहुत गर्व का विषय है कि इसके पूर्व छात्र विभिन्न सरकारी संगठनों सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों निजी क्षेत्र, शैक्षिक संस्थानों में जिम्मेदारी के पद संभाल रहे हैं। इनमें से कई दूसरों को रोजगार उपलब्ध कराने वाले सफल उद्यमी भी हैं। उन्होंने पूर्व छात्रों और आईआईएम रायपुर और वर्तमान छात्रों के बीच संबंध मजबूत बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।